अन्तरराष्टरीयिवित्तिवगम(प्राविवत,उन्मुवतऔर विशषे ाविकार)अविवियम,1958*

(1958काअविवियमसखं य ांक 42)

[17अत ूबर, 1958]

अन्तरराष्टर ीयिवित्तिवगमकीिािपिाऔरउसकेकायय करिे केविए हुएअन्तरराष्टर ीयकरारकोजहां तकउसकासम्बन्िउसिवगम कीप्राविवत,उन्म ुवतयोंऔरिवशेषाविकारोंसे ह,ै कायावय न्ितकरिे तिाउससे सम्बवन्ित विषयोंकेविए

अविवियम

भारतगणराज्यकेिििंिषयमेंसंसद् द्वाराविम्ििवििितरूपमेंयहअविवियवमतहो :—

1. सवं िप्तिामऔरिवत ार—(1)इसअविवियमकासंविप्तिामअन्तरराष्टरीयिवित्तिवगम (प्रावििवत,उन्मुवतऔर विशेषाविकार)अविवियम, 1958है ।

(2)इसकाविवत ारसम्पूणयभारतपरहै ।

2.पररभाषाएं—इसअविवियममें जबतकककसंदभयसेअन्यिाअपेवितिहो,—

(क) “करार”सेअन्तरराष्टरीयिवित्तिवगमकेिामसेज्ञातअन्तरराष्टरीयिवकायकीिापिातिाउसकेकाययकरि केविएहुआकरारअवभप्रेतह;ै

(ि) “विगम”सेकरारकेअीििावपतअन्तरराष्टरीयिवित्तिवगमअवभप्रेतहै ।

3.विगमकोप्राविवतऔरकवतपयउन्म ुवतयोंऔरिवशषे ाविकारोंकातिाउसकेअविकाररयोंतिाकमचय ाररयोंको कवतपयउन्म ुवतयोंतिाविशषे ाविकारोंकाप्रदािककयाजाि ा—(1)ककसीअन्यिविविमेंककसीप्रवतकूिबातकेहोतेहुएभी,करार केिेउपबंि,जोअिुसूचीमेंउपवर्णयतहैं,भारतमेंविविकाबिरिंगे :

परन्तुकरारकेअिुच्छेद6 कीिारा 9मेंकीककसीभीबातकायहिअयिहींिगायाजाएगाककिह—

(क)सीमाशुल्कसेमुतमािकाभारतमेंआयातकरिकाहक,िहांउसकेपश्चात्ितीविक्रयपरककसीविबयन्िि केवबा,विगमकोदते ीह;ै या

(ि)विगमकोउिशुल्कोंयाकरोंसेकोईछूटप्रदािकरतीहै,जोबेचेगएमािकीकीमतकाभागह;ै या

(ग)विगमकोउिशुल्कोंयाकरोंसेकोईछूटप्रदािकरतीह,ै जोकीगईसेिाओंकेप्रभारोंकेवसिायितिमें कुछिहींहै ।

(2)केन्रीयसरकार,राजपत्रमेंअविसूचिाद्वारा,समय-समयपरिअिुसूचीकासंशोििककन्हींऐसेसंशोिििोंकेअिुरूपत: करसकेगी,जोकरारकेउिउपबंिोंमें,जोअिुसूचीमेंउपवर्णयतह,ैं सम्यक्रूपसेककएऔरअंगीकृतककएगएहैं :

www.LinkingLaws.com

परन्तुइसउपिाराकेअीिजारीकीगईकोईअविसूचिाउसकेजारीककएजाि ेकेपश्चात्यिाशयशीघ्रसंसद्केप्रत्येक सदिकेसमितीसकदिकीकाि ाि विकेविएिरीजाएगीऔरऐसेउपान्तरोंकेअीिहोगी,जैसा,वजससत्रमेंिहइसप्रकारिरी ि ीयाठीकपश्चात्ितीसत्रकेदौराि संसद् करे।

4.वियमिबाि े कीशवत—(1)केन्रीयसरकार,राजपत्रमेंअविसूचिाद्वारा,इसअविवियमकेप्रयोजिोंकोकायायवन्ित करिकेविएिवयमिबासकेगी।

[2][(2)इसअविवियमकेअीिबियागयाप्रत्येकिवयमिबाएजाि ेकेपश्चात्यिाशीघ्र,संसद् केप्रत्येकसदिकेसमि, जबिहसत्रमेंहो,कुितीसकदिकीअिविकेविएिराजाएगा।यहिअविएकसत्रमेंअि ादोयाअविकिआुक्रवमकसत्रोंमेंपूरी होसकेगी।यकदउससत्रकेयापू ोतिआुक्रवमकसत्रोंकेठीकबादकेसत्रकेअिसाि केपू ियदोि ो ंसदिउसिवयममेंकोईपररितयि करिकेविएसहमतहोजाएंतोतत्पश्चात्िहऐसेपररिर्तयतरूपमेंहीप्रभाि ीहोगा।यकदउतिअसाि केपू ियदोि ो ंसदिसहमत होजाएंककिहिवयमिहींबियाजाि ाचावहएतोतत्पश्चात् िहिवष्टप्रभाि होजाएगा।ककन्तुवियमकेऐसेपररिर्तयतया विष्टप्रभाि होि ेसेउसकेअीिपहिकीगईककसीबातकीविविमान्यतापरप्रवतकू िप्रभाि िहींपडेगा।]

*1968 केअविवियमसं॰ 26कीि ारा 3औरिअुसूचीद्वाराइसअविवियमकावित ारपांविचेरीपरककयागया।

[2] 1983 केअविवियमसं॰ 20कीि ारा 2औरिअुसूचीद्वारा (15-3-1984से)उपिारा (2) केि ाि परप्रवतिावपत।

अिुसूची

[ि ारा 3दवे िए]

करारकेि े उपबन्ि ,जोविविकाबिरिगें े

* * * * * * *

अिच्ु छेद3

ि ारा 1—वित्तकायय

विगमअपिसदयोंकेराज्येत्रमेंउत्पादिकारीप्राइिटउद्यमोंमेंअपीविवियोंकाविवि ाि करसकेगा।ऐसेककसी उद्यममेंककसीसरकारकेवहतकायाअन्योकवहतकाविद्यमाि होि ा,उसमेंविवि ाि करिमेंअवि ाययरूपसेविगमको,प्रभार रत
ि हींकरेगा।

* * * * * * *

ि ारा 5—कवतपयिवदे शे ीमरु ाविषयकिवबिं ि ो ंकाि ागू होि ा

इसिअुच्छेदकीि ारा 1केअिुसरणमेंककसीसदयकेराज्येत्रमेंककएगएिवगमकेककसीविवि ाि कीबाबतिवगम द्वाराप्राप्तयाविगमकोसंदये विवियांकेि इसकरारकेककसीउपबंिकेकारण,सा ारणतयाि ागूविदशे ीमुराविषयकिवबयन्ि ि ो ं, विवियमोंतिावियंत्रणोंसे,जोउससदयकेराज्येत्रमेंप्रितहैं,मुतिहींहोंगी।

* * * * * * *

अिच्ु छेद6

www.LinkingLaws.com

प्राविवत,उन्म ुवतयां औरिवशषे ाविकार

िारा 1—अिुच्छ ेदकेप्रयोजि

विगमको,ऐसेकृत्योंको,जोउसेसौंपेगएह,ैं पूराकरिमेंसमियिबाि्ेकेविएइसिअुच्छेदमेंउपिर्णयतप्राविवत, उन्मुवतयांऔरिवशेषाविकारप्रत्येकसदयकेराज्यिेत्रमेंविगमकोकदएजाएंगे।

िारा 2—विगमकीप्राविवत

विगमकोपूणयिैविकव्यवततिऔरिववशष्टटत:,—

(i)संविदाकरि;

(ii)िािरिताजंगमसम्पवत्तअर्जयतकरिेतिाउसकाव्ययिकरि;

(iii)विविककायियिावहयांसंविितकरिकेीपूणयसामथर्ययप्राप्तहोगी।

िारा 3—न्य ावयकआदवे शकाकेबारेमें विगमकीविवत

सिमअविकाररतािािि्ेन्यायायािियमेंविगमकेविरुद्धकारयिाईउससदयकेराज्यिेत्रमेंहीिाईजासकेगी,वजसमेंविगम काकायायियहो,वजसमेंविगमिेआदवे शकाकीतामीियासूचिाकेप्रवतग्रहणाियकोईअवभकतायिवयुतककयाहो,यावजसमेंविगम िेप्रवतभूवतयांपुरोििृतयाप्रत्याभतू कीहों।तिावपसदयोंयाऐसीव्यवतयोंद्वाराकारयिाईहींकीजासकेगी,जोसदयोंकेविए काययकररहे होंयाउिसेउन्हेंदाािव्युत्पन्िहोरहाहो।विगमकीसंपवत्तऔरआवतयां,चाहे िेजहांभीविितहोंतिाककसीभी द्वारा िारण की गई हों विगम के विरुद्ध अंवतम विणयय के परदाि के पूिय सब प्रकार के अविग्रहण, कुकी या विष्टपादि से उन्मुतरहेंगी।

िारा 4—अवभग्रहणसे आवतयोंकीउन्म ुवत

विगमकीसम्पवत्तऔरआवतयां,चाहेििेजहांभीविितहोंऔरककसीभीद्वारािारणकीगईहों,काययपािकयाविििायी कारयिाईद्वाराकीजाििेििाििीतिाशी,अविग्रहण,अविहरण,ििहिरणयाककसीअन्यप्रकारकेअवभग्रहणसेउन्मुतरहेंगी।

िारा 5—अवभिि्े ागारोंकीउन्म ुवत

विगमकेअवभिेिागारिअवतक्रमणीयहोंगे।

3

िारा 6—आवतयोंकीविबन्य िििोंसे मवु त

इसकरारकेअिुच्छेद3,िारा 5केउपबंििोंऔरअन्यउपबंििोंकेअिीिरहतेहुए,विगमकीसबसम्पवत्तऔरआवतयां ककसीभीप्रकृवतकेविबयन्ििोंं,विवियमिों,वियंत्रणोंऔरअविििगोंसेिहांतकमुतरहेंगीजहांतकककइसकरारमेंउपबंवित कार्योंकोकायायवन्ितकरिकेविएआिश्यकहो।

िारा 7—ससं ूचिाओंकेविएिवशषे ाविकार

विगम की शासकीय ससं ूचिाओं के प्रवत प्रत्येक सदय िैसा ही व्यिहार करेगा जैसा िह अन्य सदयों की शासकीय संसूचिाओंकेप्रवतकरताहै ।

िारा 8—अविकाररयोंतिाकमचय ाररयोंकीउन्म ुवतयां औरिवशेषाविकार

विगमकेसभीगिियरों,विदशे कों,अिुकल्पों,अविकाररयोंतिाकमयचाररयों :—

(i)कोअपिेद्वाराअपीिपदीयहवै सयतसेककएगएकायोंकीबाबतिवविकप्रकक्रयासेउन्मुवतप्राप्तहोगी;

(ii)को,जोििीयरावष्टरकिहींह,ै आप्रिासस‍बंिीविबयन्ििों,अन्यदशे ीयोंकेरवजर ीकरणकीअपेिाओंऔर

राष्टरीयसेिाकीबाध्यताओंसेिहीउन्मुवतयांऔरमुराविषयकिवबयन्ििोंकेसंबंिमेिहीसुविािएंदीजाएंगी ,जोकक सदयोंद्वारा,अन्यसदयोंकेतुल्यपंवतकेप्रवतविवियों,पदिाररयोंतिाकमयचाररयोंकोदीजातीह;ैं

(iii)केप्रवतयात्रासवु ििाओंकीबाबतिहीव्यिहारककयाजाएगाजोककसदयोंद्वाराअन्यसदयोंकेतुल्य पंवतकेप्रवतविवियों,पदािररयोंतिाकमयचाररयोंकेप्रवतककयाजाताहै ।

िारा **9**—करािािसे उन्म ुवतयां

(क)विगम,उसकीआवतयां,सम्पवत्त,आयितिाइसकरारद्वाराप्राविकृतउसकेकाययितासंव्यिहारसभीकरािािसेतिा सभीसीमाशुल्कोंसेउन्मुतहोंगे।विगमककसीभीकरयाशुल्ककेसंग्रहणयासंदायकेदावयत्िसेभीउन्मुतहोगा।

(ि)विगमकेविदशे कों,अिुकल्पों,पदिाररयोंयाकमयचाररयोंसे,जोििीयिागररक,ििीयप्रजाजियाििीय रावष्टरकिहींह,ै विगमद्वाराकदएगएिेतिितिापररिवियोंपरयािकीबाबतकोईभीकरउद्गृहीतिहींककयाजाएगा :—

(ग)विगमद्वारापुरोिृतककसीबाध्यतायाप्रवतभूवतपर (वजसकेअन्तगयतउसपरकािभांशयायाजभीहै)चाहेिह बाध्यतायाप्रवतभूवतककसीकेभीद्वारािारणकीगईहो,ककसीप्रकारकाकोईभीऐसाकरउद्गृहीतिहींककयाजाएगा :—

(i)जोऐसीबाध्यतायाप्रवतभूवतकेविरुद्धकेिलिइसकारणविभेदकरताहोककिहविगमद्वारापुरोिृतकीगई ह;ैं या

(ii)यकदऐसेकरािािकेविएअविकाररताविषयकएकमात्रआिारपरििायाऐसीकरेंसीह,ै वजसमेंिह पुरोिृत,संदये यासंदत्तककयागयाहै याविगमद्वाराबिाएगएकायायियउसकेकारबारकेि ािकीअिवस्िवतहै ।

(घ)विगमद्वाराप्रत्याभूतककसीबाध्यतायाप्रवतभूवतपर (वजसकेअन्तगयतउसपरकाकोईिभांशयायाजभीहै)चाहे िहबाध्यतायाप्रवतभूवतककसीकेभीद्वारािारणकीगईहो,ककसीप्रकारकाकोईभीऐसाकरउद्गृहीतिहींककयाजाएगा :—

(i)जोऐसीबाध्यतायाप्रवतभूवतकेविरुद्धकेिलिइसकारणविभेदकरताहोककिहविगमद्वाराप्रत्याभूतकीगई ह;ै या

(ii)यकदऐसेकरािािकेविएअविकाररताविषयकएकमात्रआिारविगमद्वाराबिाएगएकायायियउसके कारबारकेि ािपररअवस्िवतहै।

*   *   *   *   *   *

िारा **11**—अवित्यिज

विगम,इसिअुच्छेदकेअिीिप्रदत्तककन्हींविशेषाविकारोंऔरउन्मुवतयोंमेंसेककसीका,ऐसेवित ारतकिताऐसीशतों पर,जैसािहअििाररतकरे,िविििेकािुसारअवित्यजिकरसकेगा।